एमवाय में दूसरे नवजात की भी मौत, चूहे ने कुतरा था

मानव अधिकार आयोग ने मांगी रिपोर्ट, स्टाफ पर गिरी गाज सरकार ने बनाई हाईलेवल कमेटी

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी एमवाय अस्पताल में लापरवाही के चलते एनआईसीयू में भर्ती एक और नवजात की बुधवार को मौत हो गई. दो दिन में यहां दो मासूम दम तोड़ चुके हैं. दोनों ही बच्चों के हाथ-पैर चूहों ने कुतर दिए थे. लगातार घटनाओं से शहर में हड़कंप है और अब मानव अधिकार आयोग ने भी मामले का संज्ञान लिया है.

आयोग ने अस्पताल अधीक्षक से एक महीने में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है. इससे पहले चिकित्सा शिक्षा विभाग ने डीन से जवाब तलब किया था. फिलहाल अस्पताल प्रबंधन मौत की वजह को चूहों से जोड़ने से इनकार कर रहा है. डॉक्टरों का कहना है कि मौत संक्रमण से हुई, लेकिन परिजन और आमजन इसे लापरवाही मान रहे हैं. मामले की गंभीरता को देखते हुए दो नर्सिंग ऑफिसर को निलंबित किया गया है. नर्सिंग सुपरिटेंडेंट को हटाया गया और विभागाध्यक्ष समेत कई जिम्मेदारों को नोटिस दिए गए हैं. वहीं, पेस्ट कंट्रोल एजेंसी पर एक लाख का जुर्माना लगाकर टर्मिनेशन नोटिस जारी किया गया है. घटना की जांच के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की हाईलेवल कमेटी गठित कर दी गई है. बुधवार को मृत नवजात देवास की रेहाना का बच्चा था. परिवार ने पोस्टमॉर्टम से इनकार कर शव अपने साथ ले लिया. मंगलवार को खंडवा जिले की लक्ष्मीबाई की बच्ची की भी मौत हुई थी, जिसकी रिपोर्ट अभी बाकी है. घटना ने सियासी रंग भी ले लिया है. उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि पेस्ट कंट्रोल समय पर किया जाता तो यह स्थिति नहीं बनती. वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि नवजातों को चूहों ने नहीं, भ्रष्ट तंत्र ने मारा है.

दो को किया निलंबित, सुपरिटेंडेंट को हटाया

इंदौर. दो नवजातों को चूहों द्वारा कुतरे जाने के बाद हुई मौत के मामले में एमवाय अस्पताल प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है. मामले में जहां नर्सिंग सुपरिटेंडेंट को हटा दिया हैं, वहीं दो नर्सिंग ऑफिसरों को सस्पेंड कर दिया. कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इसके अलावा यहां पर पेस्ट कंट्रोल करने वाली एजेंसी पर एक लाख का जुर्माना लगाकर टर्मिनेशन का नोटिस जारी कर दिया है. इसके साथ ही डॉ. बृजेश लोढ़ा को नोटिस थमाया है. मेडिकल कॉलेज की जांच में सामने आया कि दोनों नवजात पहले से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे और वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे, लेकिन चूहों की हरकत ने अस्पताल की लापरवाहियों को उजागर कर दिया. प्रकरण की जांच के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की गई है.

सभी सरकारी-प्राइवेट अस्पतालों को सीएमएचओ की चेतावनी

बोले : चूहे या अन्य जीव-जंतु दिखे तो ड्यूटी इंचार्ज होंगे जिम्मेदार

इंदौर. एमवाय हॉस्पिटल में बच्चों को चूहों के कुतरने और एक नवजात की मौत के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने सख्ती दिखाई है. सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को चेतावनी जारी करते हुए साफ कहा है कि अस्पताल परिसर में चूहे या अन्य जीव-जंतु नजर आए तो उसकी जिम्मेदारी सीधे ड्यूटी इंचार्ज और अस्पताल प्रभारी की होगी. जिला स्वास्थ्य विभाग ने यह आदेश जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल हॉस्पिटल समेत सभी 237 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को दिया है. इनमें पीसी सेठी अस्पताल और महू का सिविल हॉस्पिटल भी शामिल है. इसी के साथ जिले के 292 नर्सिंग होम, 850 क्लिनिक और निजी अस्पतालों को भी सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश भेजे गए हैं. विभाग ने चेतावनी दी है कि आदेश का पालन नहीं करने वालों पर नर्सिंग होम एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई होगी.

एमवाय की बदहाली का जिम्मेदार कौन ..?

- कैसे बदलेगी प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल की हालत

वीरेंद्र वर्मा

इंदौर. प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की बदहाल व्यवस्था ने दो नवजात शिशुओं की बलि ले ली. दोनों नवजात की मृत्यु से इंदौर में एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी है. यह घटना तब हुई है, जब इंदौर 8वीं बार स्वच्छता का तमगा लिए घूम रहा है. चूंकि स्वास्थ्य का मामला स्वच्छता से सीधा जुड़ा हुआ है, तो सवाल उठना स्वाभाविक भी है. पिछले 30-35 सालों से एमवाय कायाकल्प की बांट जोह रहा है और अपने बुढ़ापे एवं अव्यवस्थाओं पर आंसू भी बहा रहा है. इसके पीछे एक मात्र कारण मानव स्वास्थ्य को लेकर सरकारों द्वारा उदासीनता बरती जाना है.

प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर का विकास में नवाचार का चेहरा बन विभिन्न आयाम स्थापित करने के दावे किया जा रहे हैं. क्या वास्तविकता में इंदौर विकसित हो गया है? यदि ऐसा है तो इंदौर ही नहीं, बल्कि प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल में चूहों के आतंक और अस्पताल की दुर्दशा पर क्यों स्वास्थ्य विभाग की नजर नहीं पढ़ रही है? इंदौर को लेकर बड़ा प्रचारित किया जाता है कि मेडिकल और शिक्षा का बड़ा केंद्र है. सवाल यह है कि क्या निजी क्षेत्र के हॉस्पिटल और निजी क्षेत्र के शिक्षण संस्थान ही इसकी पहचान है? क्यों सरकारी अस्पताल में ऐसी बदहाली है कि किसी के नवजात शिशुओं को चूहों ने कुतर दिया और वे नवजात शिशु आज काल के गर्त में समा गए. इसका जिम्मेदार कौन? शासन प्रशासन कुछ रुपए देकर पीड़ित का मुंह बंद करवा देगा। इससे क्या हालत सुधर जाएंगे?

एमवाय में यह पहली बार नहीं हुआ है. कई बार कई तरह की दुर्घटना हो चुकी है, जिसमें कभी ऑक्सीजन का पाइप चूहों ने काट दिया, कभी दवाई नहीं मिलने, कभी सतर्कता नही बरतने, साधन संसाधन की कमी होने और सबसे ज्यादा समय पर मरीज को इलाज नहीं मिलने की शिकायत लगातार सामने आती है. इस बीच कभी नर्स तो कभी डॉक्टर, कभी जूनियर डॉक्टर की हड़ताल स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलने नहीं देती है. जरा उस मां से पूछिए कि चूहों ने उसके नवजात शिशुओं को कुतर दिया और उनके इन्फेक्शन को नवजात झेल नहीं सके और दुनिया से रुखसत हो गए. मां का क्या हाल होगा? आखिर एमवाय हॉस्पिटल के अधीक्षक और डीन इतनी मोटी तनख्वाह पर क्यों है? इंदौर और प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल में साफ सफाई और संसाधनों का रख रखाव नहीं हो पा रहा है। क्यों ?

केंद्रीय मंत्री ने कहा था, इस अस्पताल को बम से उड़ा देना चाहिए

कांग्रेस सरकार के केंद्रीय मंत्री माखनलाल फोतेदार ने 90 के दशक में एमवाय का दौरा किया था. उस दौरान वहां चूहों और अस्पताल की बदहाल व्यवस्था को लेकर फोतेदार ने कहा था कि इस अस्पताल को बम से उड़ा देना चाहिए. उनका एमवाय अस्पताल को लेकर दिया यह बयान खूब चर्चित हुआ था और कई दिनों तक एम.वाय. को लेकर खबरें छपी थी.

मई की मंत्रिमंडल बैठक में 773 करोड़ से कायाकल्प की घोषणा

इंदौर के राजबाड़ा में 20 मई को राज्य सरकार मंत्रिमंडल की बैठक हुई थी. बैठक में एम. वाय. अस्पताल के कायाकल्प और नए भवन निर्माण करने के लिए 773 करोड़ रुपए राशि की मंजूरी दी गई थी. इसके बाद आज तक एम.वाय. अस्पताल को लेकर वो घोषणा और राशि सिर्फ बयानों तक सिमट कर रह गई.

मोहंती के ऑपरेशन एमवाय की आज भी जरूरत

1990 के दशक में तत्कालीन कलेक्टर सुधीर रंजन मोहंती ने इंदौर में ऑपरेशन एमवाय चलाया था. एक हफ्ते से ज्यादा चले ऑपरेशन में करीब 10 कोठी भरकर चूहे मारकर निकाले गए थे. यह मोहंती ने केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी पर कार्रवाई की थी. कुछ लोग सूरत फैले फ्लैग को दृष्टिगत रखकर की गई कार्रवाई भी बताते हैं. कलेक्टर मोहंती के इस कार्य की उस समय पूरे इंदौर सहित प्रदेश में चर्चा और सराहना की गई थी. चूहों के कुतरने के बाद आज भी ऑपरेशन एम.वाय. की जरूरत महसूस की जा रही है.

एक नजर में

मंदिरों से निकले श्री राधा कृष्ण के डोल

महू. झमाझम बरसात के बीच बुधवार को डोल ग्यारस पर्व के मौके पर भगवान श्री गणेश भगवान विसर्जन के लिए निकले, तो वहीं भगवान श्री कृष्ण भी ढोल में सवार होकर गौशाला तट पहुंचे, यहां भगवान की आरती कर डोल को वापस मंदिर तक लौटाया गया, जिसके बाद जगह-जगह प्रसादी वितरित की गई. इस दौरान बडी संख्या मे डोल के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर आए. बारिश के बावजूद भी डोल ग्यारस पर्व पर शहर में काफी उत्साह का माहौल है। महू क्षेत्र में इस दिन गणेश विसर्जन भी किया जाता है. सुबह से ही लोग गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए तैयारियां कर रहे थे और दोपहर से गणेश मूर्तियां लेकर विसर्जन के लिए निकलने को तैयार थे.. लेकिन लगातार तेज बारिश ने भी लोगो के उत्साह को मायूस नही होने दिया। देर शाम जैसे ही बारिश थमी तो शहर के आसपास के तालाबों और नदियों पर लोगों का सैलाब उमड़ा। इसके लिए प्रशासन ने व्यवस्था की. काकड़पुरा तालाब और गौशाला घाट के पास नगर परिषद के लोग भी मौजूद रहे। हालांकि यहां पीओपी की मूर्तियों को भी विसर्जित किया गया, लेकिन नगर परिषद के कुछ कर्मी इन्हें निकालकर वापस ट्राली में रख रहे थे। इन्हें बाद में व्यवस्थित तरीके से विसर्जित किया गया.

ठाकुर किसान कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष

महू. मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी एवं किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान की अनुशंसा पर इन्दौर जिले में अपनी मजबूत पैठ जमाने वाले युवाओं, किसानों की बुलंद आवाज़ जीतू ठाकुर पूर्व जिला पंचायत सदस्य को किसान कांग्रेस का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया. इनकी नियुक्ति पर राऊ, महू, साँवेर एवं देपालपुर विधानसभा के कांग्रेसजनों ने पुष्प माला पहनाकर फ़ोन एवं सोशल मीडिया के मध्यम से हर्ष व्यक्त कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की.

जिला अध्यक्ष बनने पर ठाकुर का स्वागत

महू. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितु पटवारी द्वारा किसान कांग्रेस में इंदौर ग्रामीण अध्यक्ष पद पर जितु ठाकुर को नियुक्त किया गया. इसके बाद हासलपुर में नवनियुक्त जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष जितु ठाकुर का स्वागत किया गया. इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, गोविंद टेलर, धर्मेंद्र सिंह चौहान, विष्णु मुलचंद यादव, रविशंकर मीणा, पंकज मीणा, भगवान सिंह ठाकुर, लखन सिंह दरबार आदी ने तिलक लगा कर स्वागत किया गया.

महू गुरु द्रोण अवार्ड कल

महू. शिक्षक दिवस के अवसर पर 101 वरिष्ठ गुरुओं का सम्मान किया जाएगा. सामाजिक विचार मंच, रोटरी क्लब, भूतपूर्व सैनिक संगठन, रोटरी क्लब ऑफ महू कैंट और इनरव्हील क्लब के द्वारा पांच सितम्बर को महू गुरु द्रोण अवार्ड समारोह आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम चोपड़ा वाटिका में शाम छः बजे से आरंभ होगा. इसमें तहसील के वरिष्ठ गुरुओं का सम्मान प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र व शाल श्री फल प्रदान कर किया जाएगा. नगर में यह पहला आयोजन है जिसने 101 गुरुजनों का सम्मान एक मंच पर किया जाएगा. गुरु सदैव अपने शिष्यों के हृदय रूपी कमल में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करता है. वह राष्ट्र का निर्माता है और सदैव पूज्यनीय होता है इस कार्यकम में सहयोगी संस्थाओं के रूप में पाथ इंडिया फाउंडेशन, भंवरीलाल मिठाईवाला, एंबीशन एकेडमी, जायसवाल इलेक्ट्रॉनिक, विद्याश्री स्टेशनरी किंग स्टूडियो, होम्योपैथी स्पेशलिटी क्लिनिक्स और खंडेलवाल डेंटल क्लीनिक आदि भी सम्मिलित है.

गैंगस्टर सलमान लाला के समर्थन में बनीं रील्स पर पुलिस की नजर

- 35 सोशल मीडिया अकाउंट्स किए लिस्टेड
- शहर बंद कराने की अपील ने बढ़ाई पुलिस की चिंता
- क्राइम ब्रांच की साइबर टीम ने की निगरानी तेज की

इंदौर. शहर के कुख्यात गैंगस्टर सलमान लाला की मौत के बाद उसके समर्थन में सोशल मीडिया पर चल रही गतिविधियां पुलिस की चिंता बढ़ा रही हैं. क्राइम ब्रांच ने ऐसे 35 अकाउंट्स को चिह्नित किया है, जिनसे शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही थी. इन अकाउंट्स पर न सिर्फ सलमान की मौत को हत्या करार दिया जा रहा है, बल्कि शहर बंद कराने की अपील तक कर दी. मामले में पुलिस सख्ती के साथ काम कर रही है.

क्राइम ब्रांच की साइबर टीम ने जिन अकाउंट्स को लिस्टेड किया है, उनमें कुछ युवतियों के नाम भी सामने आए हैं. ये अकाउंट्स सलमान की मौत के बाद अचानक सक्रिय हो गए और रील्स के जरिए लोगों को भड़काने का प्रयास किया. पुलिस को आशंका है कि इसी बहाने पुराने गैंगस्टर नेटवर्क को फिर से खड़ा करने की कोशिश हो सकती है. ज्ञात हो कि सलमान लाला का अपराध जगत से जुड़ा लंबा इतिहास रहा है, डेढ़ साल पहले उसने एमआईजी इलाके में एक युवक को नग्न कर बेरहमी से पीटा था और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था. वह अक्सर मारपीट के वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर डालता, ताकि लोगों में उसकी दहशत बनी रहे.

युवाओं को नशे की दुनिया में धकेल रहा था

एडीशनल डीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया का कहना है कि सलमान युवाओं को नशे की दुनिया में धकेल रहा था. उसके साथी अर्जुन उर्फ डार्लिंग और भाई शादाब उर्फ सिद्धू बड़े स्तर पर ड्रग्स रैकेट चला रहे थे. इतना ही नहीं, कुछ समय पहले खजराना इलाके में सलमान ने क्राइम ब्रांच के एसआई पर पिस्टल तक तान दी थी.

पल पल पर पुलिस की नजर

मामले में डीसीपी राजेश त्रिपाठी का कहना है कि सलमान की मौत के बाद कुछ लोग इस घटना को भुनाने की तैयारी कर रहे थे. जनाजे में न पहुंचकर उन्होंने सोशल मीडिया पर माहौल गरमाने का प्रयास कर दिया था. खुफिया टीम को इसकी भनक लगते ही प्लान को नाकाम कर दिया. आरोपियों से जुड़े लोगों पर पुलिस पल पल नजर रखे हुए है. पुलिस सतर्क है और किसी भी साजिश को मूर्त रूप लेने से रोकने के लिए सोशल मीडिया गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है.

अनवर आठ सितंबर तक पुलिस रिमांड पर

- फाइनेंशियल सोर्स और नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस
- नेपाल कनेक्शन और टूटे मोबाइल की पड़ताल, कादरी से पूछताछ जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. लव जिहाद फंडिंग मामले के आरोपी अनवर कादरी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है. अदालत ने उसका रिमांड बढ़ाकर आठ सितंबर तक कर दिया है, यानी अब पांच दिन और वह पुलिस हिरासत में रहेगा. इस दौरान जांच एजेंसियां उसके फाइनेंशियल सोर्स, नेटवर्क और फंडिंग चैनल की गहराई से पड़ताल करेंगी.

पुलिस की पूछताछ में अब तक सामने आया है कि कादरी फरारी के दौरान नेपाल भाग गया था. वहां वह काठमांडू के एक होटल में रुका, जिसका भुगतान उसकी बेटी आयशा ने ऑनलाइन किया. इसी दौरान उसकी पत्नी भी दो बार नेपाल जाकर उससे मिली. जांच में खुलासा हुआ कि कादरी के पास दो मोबाइल थे, जिनमें से एक उसने तोड़कर नागपुर में फेंक दिया. पुलिस को आशंका है कि उसमें अहम डेटा हो सकता है, जिसे तलाशने के लिए टीम नागपुर भेजी जाएगी. कादरी के संपर्क में आए कुछ और नाम भी सामने आए हैं, जिनकी सिम का इस्तेमाल वह और उसकी बेटी कर रहे थे. पुलिस अब इन लोगों की भूमिका और फंडिंग नेटवर्क से उनके जुड़ाव की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि रिमांड अवधि में कई और राज खुलने की उम्मीद है.

युवक ने फांसी लगाई

इंदौर. पारिवारिक विवाद और बेरोजगारी से परेशान होकर युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी. मामले में पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है. घटना तुकोगंज थाना क्षेत्र की है, जहां 40 वर्षीय नरेश पुत्र लालचंद शाक्यवार ने रात घर में फांसी लगा ली, नरेश पेशे से पेंटर था. देर रात मां ने उसे फंदे पर लटका देखा और तुरंत परिजनों व पड़ोसियों को सूचना दी. परिजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन बचाया नहीं जा सका. मामले में पुलिस जांच कर रही है.

चलती कार में लगी आग, कारोबारी की बाल-बाल बची जान

- कलेक्टोरेट चौराहे पर अफरा-तफरी, फायरकर्मियों ने काबू पाया

इंदौर. शहर के व्यस्त कलेक्टोरेट चौराहे पर एक बड़ा हादसा टल गया. घर लौट रहे कारोबारी की कार अचानक धुआं छोड़ने लगी और देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गई. गनीमत रही कि चालक समय रहते कूद गया और उसकी जान बच गई.

लालाराम नगर निवासी कारोबारी मंगेश अग्रवाल अपनी कार से घर जा रहे थे. चौराहे के पास गाड़ी से धुआं उठते ही उन्होंने तुरंत कार रोक दी और बाहर निकल आए, तभी इंजन में आग भड़क गई. आसपास मौजूद लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें और फैल गईं. सूचना पर पहुंचे फायरकर्मियों ने केमिकल से आग पर काबू पाया. घटना के चलते चौराहे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई थी, मामले में पुलिस जांच कर रही है.

उत्तर पूर्व से बन रहे फर्जी गन लाइसेंस

- अनवर कादरी प्रकरण के बाद खुलने लगे राज
- असम, नगालैंड और मणिपुर से बनवाए जा रहे लाइसेंस
- हथियार रखने की होड़ में ऊंचे वर्ग के लोग शामिल

नव भारत न्यूज

इंदौर. लव जिहाद फंडिंग केस के आरोपी अनवर कादरी के पास जम्मू-कश्मीर से बना फर्जी गन लाइसेंस मिलने के बाद अब एक-एक कर नए खुलासे हो रहे हैं. पुलिस की जांच में सामने आया है कि असम, नगालैंड और मणिपुर जैसे उत्तर भारत राज्यों से भी बड़ी संख्या में फर्जी लाइसेंस बनवाए गए हैं. इन लाइसेंसों का कोई रिकॉर्ड स्थानीय प्रशासन और पुलिस के पास नहीं है.

सूत्रों के मुताबिक, फर्जी लाइसेंसधारियों में सिर्फ बदमाश ही नहीं, बल्कि ऊंचे वर्ग के कई लोग भी शामिल हैं. पिछले कुछ सालों में लाइसेंसी हथियार रखना एक तरह का स्टेटस सिंबल बन चुका है. पिस्टल का लाइसेंस भोपाल से लंबी और मुश्किल प्रक्रिया के बाद मिलता है, इसलिए लोग शॉर्टकट अपनाकर बाहर के राज्यों से लाइसेंस बनवा रहे हैं. नियम के मुताबिक, दूसरे राज्यों से बने लाइसेंस का स्थानीय कलेक्टोरेट में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, लेकिन ज्यादातर लोग इसकी जानकारी नहीं देते.

ऐसे में चुनाव या दंगे जैसी स्थिति में जब पुलिस हथियार जमा करवाती है, तो ये फर्जी लाइसेंसधारी बच निकलते हैं. क्राइम ब्रांच कुछ साल पहले नगालैंड के लाइसेंसधारियों पर कार्रवाई कर चुकी है, लेकिन दबाव में मामला ठंडे बस्ते में चला गया था. अब अनवर कादरी केस के बाद पुलिस फिर से सक्रिय हुई है और संकेत हैं कि उत्तर पूर्व से बने लाइसेंसधारियों पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है.

समस्या ▸ मामला तीन इमली बस स्टेण्ड के सामने मुख्य मार्ग का

अधूरी सड़क बन रही लोगों की परेशानी का सबब

इंदौर. अक्सर देखने में आया है कि नगर निगम द्वारा विकास कार्य बरसात के महीने शुरू होने से ठीक पहले ही आरंभ किया जाता है. बरसात के कारण यह कार्य पूरे चार महीने ठप रहता है. ऐसे में आम जनता को कई आज सुविधाओं का सामना करना पड़ता है.

ऐसा ही एक विकास कार्य का मामला तीन इमली बस स्टैंड के सामने मुख्य मार्ग का है. पहले तो यह मार्ग कई वर्षों तक नहीं बना. बड़े-बड़े गड्ढे लोगों के लिए मुसीबत बन चुके थी. जर्जर सड़क के कारण एक छात्र की मृत्यु भी हो गई थी, हाल ही में इस सड़क का निर्माण कार्य आरंभ किया गया लेकिन नगर निगम अधिकारी अपना कार्य समय पर नहीं कर पाए. बरसात के पहले कार्य चालू किया गया और बरसात में काम अधूरा रह गया, एक लंबा सड़क पैनल रैंप नहीं बन पाया और बड़ा गड्ढा बन गया जो राहगीरों के लिए मुसीबत बना हुआ है. आए दिन कोई न कोई वाहन चालक इसमें गिरकर घायल होता है. बरसात होते ही इसमें पानी भर जाता है जिससे गड्ढा दिखाई नहीं देता और वाहन चालक उसमें गिर जाता है. एक तरफ सड़क बनने से यातायात बहुत ज्यादा प्रभावित हो रहा है. समस्याओं से जूझ रहे लोगों को नगर निगम अधिकारी नजरअंदाज कर रहे हैं.

इनका कहना है...

भारी वाहन गुजरते हैं. सिंगल लेन होने के कारण यातायात हमेशा जाम होता है. अधूरे कार्य के कारण पानी क्षेत्र में भर रहा है. रहवासी और राहगीरों को कई तरह की असुविधाएं उठाना पड़ रही है.
- दक्ष लिंबोदिया

पिछले एक डेढ़ महीने से कम बंद पड़ा है. बरसात में गड्ढा दिखाई नहीं देता और लोग गिर जाते हैं. फिर आसपास के लोग उनको जाकर बचाते हैं. कई लोगों को गंभीर चोटें आई है.
- राजू बाई

तीन दिन पहले बरसात में बहुत सारे बाइक वाले इस बड़े गड्ढे में गिरे. सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है. निगम को जल्द से जल्द इस रोड को बना कर लोगों को सुविधा देना चाहिए.
- नटवर प्रजापत